

१॥ श्वरका किका ॥

१॥ श्वरका किका ॥

१॥ श्वरका किका ॥

धर्मरत्न बजाचार्य सुरत श्री महाविहार

DH49

१

सागनाम

पणिना

साकाया

६१३ नमः सवेहाया ॥ यस्मिन् नदया सिन्धौ वगधस्यानेघागुहाः सवनामकया धीवाः सन्धियवाम नायवा समाहृत्या नयनः
 ६१४ नमः सीकृ फेः पुनिसिस्तु मेः संपूर्ण सवामवर्णे नमः लिङ्गा नमः सन ॥ पायः ॥ वृष रुदन साहचर्यो चक्रुः विमः म्ही पीनपूः
 ६१५ सवः सूर्य नदिः अथा दिः ६१६ विमः ॥ रुदा रव्या नायनं च द्वा नेकः ६१७ धानसं कवः ६१८ कृ गा रु रि नृ लि ग ना म नू काना क्रो मा दि ना ॥ विः ६१९
 ६२० लिङ्गा विमि ति पद मिधु ननु द्यो विमि निषि द्ध लिङ्गा सार्थ च का था दि न पर्व रा क ॥ स्व च वयं स्वर्ग नो क वि दि वं वि द मा त् ॥
 ६२१ सवः सा का थो दि वो द्ध मि यो क्री वं वि पि सृ पी ॥ अ न नो नि क्री वा द वा मि द मा वि व द्ध ॥ स वा ॥ स य वी ग ॥ स म न स ॥ मि दि व मा दि वो क स ॥

जडनसिन्धुमः लिङ्गितः १२ उक्तावसु नृ रु या नि का ला मि वि दि व व ॥
 का ६११

विद्याधनापदकादयः ३ ॥ सतादवया घनह वधायतः ॥ वतान् मया ॥ यः कृ क व मा गी त्र वी दे व म य ना हा ॥ इ क पुरुषा

विदिनममता निपुधन नादि

दवानविदयानि सुसुक्तान गमनेरा यमकमि ॥ १४०० सामा न द न वा ना न

६२२ आदिः खया दि वि प द्वा ल म म दि ति न न द ना ॥ आदिः खया ज रु वा इ स्त प्रा नू न खो अ म नी ध स ॥ व र्दि म् र्वा ॥ कृ दु जु जी गी वी ला द्यो ॥
 ६२३ नवानयः ॥ व द्वा व का दे व ना ने पी सि वा दे व ना मि यी ॥ आदिः खया वि ष व म व म् मि ना रा स्त ना नि ला ॥ म रु वा जि क सा ध्वा ॥ व द्वा ॥
 ६२४ गल दे व ना ॥ विद्या ध वा इ य म य रु न क्रा ग ध वे कि न्ना ॥ पि षा वा गु ष कः ॥ सि धा रु ना मो दे व या न य ॥ अ स वा दे य दे न या द् ॥
 ६२५ नृ दि वि दान वा ॥ यु क्ति षा दि ति स ना ॥ पूर्व दे वा ॥ स व द्धि ष ॥ स व रु ॥ स ग न वि द्वा ध म्म वा ज स थ ग न ॥ स म न रु द्वा रु ग वा न् ॥
 ६२६ मा व जि लो क जि न्ना ॥ घ रु रि सु द म व वा इ द्य वा दी वि ना य क ॥ म नी दु ॥ ग्री य न ॥ म ला मू ति ॥ म क मं न नि म्मु य ॥ स म क

विदिनममता निपुधन नादि

मसुनवसुपुत्र कमादि उ व स्या घा

३४०० सामा न द न वा ना न ॥ ३४०० सामा न द न वा ना न ॥ ३४०० सामा न द न वा ना न ॥

३४०० सामा न द न वा ना न ॥ ३४०० सामा न द न वा ना न ॥ ३४०० सामा न द न वा ना न ॥

३४०० सामा न द न वा ना न ॥ ३४०० सामा न द न वा ना न ॥ ३४०० सामा न द न वा ना न ॥

2

वृत्तान्तस्य नाम गुरुकुलानाम्

श्रीमद्व्यापिकेसमर्थ १००० चतुर्नावकप्रयत्नावलीनमः सहायकव्यानामः ।

निपु वस्यन्तक

अध्याय निपू २

१ यद्गुणीता पदा विरुद्धा दुर्मोक्षे २

का. ग. ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

३ ००५ नमः सनी

धन वृक्षी आदि मातृका नमः ॥ २ ॥

महादेवस्य सुधर्मगमः १

शुक्रपार्वती-यन्त्रासत्र

[illegible]

श्रीसत्वा

धर्मगणपतिनानाम्

वदिको यणे ३

शुभं शस्यरदुस्तनमनेमनावनिउयस्यइत्यहयउधःप्रवः३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

8

[illegible]

रसकंडस्य प्रासादवर्जयकर रसकंडस्य वर्जयकर

पञ्चमेनावनियानाम२

जानदशदिनदेवदालिधिया नाम ? दशसहायलान ? अस्तनयानाम ?

अस्तनया नाम ?

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५००॥ अकाशं गंज्जानाम्

गैधर्नदिवग्नयनया नामरि

सनत्कुलान्यानाम्

धनं सुमेधया तान् १

४५ अष्टविंशती कृता जयानामः

किनीवियक्रमं स्वर्गदीप्तदीर्घिका॥ मन्त्रः समन्तं माद्रिबलसान् ४ सनालय ४ घट्टे नंदवत्तवा मन्त्राव ४ पाविजातक ४ सनातनः कल्पवृ
 कल्पपीति वासुविचन्द्रनी सनत्कमाजी वेधा ४ स्वर्गघातभिनीस गो॥ नासत्यावभिनीदसुवाभिनीयौवनावलो मियान्वरू घ्नसवसः स्वर्ग
 म्याउर्वमीमृवाधाराहाराहू ४ वेवमाया गन्धर्वी मुदिवोकसा ४ अग्निर्वेधनभावकि द्वीगिसा ४ धनक्रीय ४ द्वपीटयानिर्गलना जानव
 दासुन्ननयान् ॥ वरि ४ म्पाकसुवर्मा ॥ आवि ४ कमाउ चर्वध ४ आगुयासावरुहान् ४ कृष्णान् ४ पावकानैल ४ वारिना ४ वायसखाभिरवावा ४
 गुगुक्कसि ४ हिनरधर्मा कृन्गुदरुनारुवावरुन ४ सफाविर्दमना ४ गुक्क भिन्नानुविगावस ४ सचिवयैरु मोर्वमु वादवाव उंवातल ४

१५६ सा मा त्वा सु नि य ना म ।

१०८ लक्ष्मण उवाच ॥ त्वत्पुत्रोऽयं नृप ॥

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

DH 49